

के.डी.न्यूज़

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष—01 अंक 24 सुलतानपुर गुरुवार 28 नवम्बर 2024

मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

सीएम योगी बोले, श्रद्धालुओं को होंगे डिजिटल कुंभ के दर्शन



एजेंसी/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को कहा कि प्रयागराज में अगले साल जनवरी में शुरू होने वाले महाकुंभ में श्रद्धालुओं को स्वच्छ कुंभ के साथ डिजिटल कुंभ के भी दर्शन होंगे। सीएम योगी ने कहा कि पहले कुंभ मेले के प्रमोटी मंत्री का दायित्व ऐसे लोगों को मिलना था, जिनके भीतर श्रद्धा तक नहीं थी। हम सबने कुंभ को गंदगी, भगदड़ व अव्यवस्था का पर्याय बना दिया था। कुंभ मेले के प्रमोटी मंत्री का दायित्व भी ऐसे लोगों को दिया जाता था, जिन लोगों में श्रद्धा, परंपरा, संस्कृति व विरासत के

होगा। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक आयोजन में से एक प्रयागराज कुंभ का आयोजन इस बार 45 दिन का होगा। योगी ने विकास, विरासत व महाकुंभ को लेकर हो रहे मीडिया समूह के इस कार्यक्रम को सकारात्मक सोच का परिचायक बताया। उन्होंने महाकुंभ-2025 को लेकर सरकार की तैयारियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही है। 2019 कुंभ में 23-24 करोड़ श्रद्धालु आए थे। इस बार 45 दिन में 35-40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। वायु रेल के साथ ही सड़क मार्ग के जरिए प्रयागराज फोर व सिक्स लेन से जुड़ सके। इसकी तैयारी भी युद्ध स्तर पर चल रही है। कुंभ के क्षेत्रफल में भी विस्तार किया गया है। 2019 कुंभ का क्षेत्रफल 3200 हेक्टेयर था, 2025 महाकुंभ का क्षेत्रफल 4000 हेक्टेयर में होगा। इसे 25 सेक्टर में विभाजित किया है। इसके अलावा पार्किंग की भी सुविधा होगी। सरकार इंतजाम कर रही है कि संगम

तक तक पहुंचने के लिए डेढ़-दो किमी. से अधिक की यात्रा न करनी पड़े। सरकार ने अलग-अलग रूट पर 1850 हेक्टेयर से अधिक में पार्किंग स्थल चिह्नित किया है। यह स्थल संगम तट से दो से पांच किमी. के दायरे में होंगे। वहां से इलेक्ट्रॉनिक, परिवहन निगम के 7000 बस से कुंभ स्थल तक लाने की व्यवस्था होगी। योगी ने बताया कि 2019 कुंभ में 9 रोड फ्लाईओवर व 6 अंडरपास बनाए गए थे। इस बार 14 रोड ओवरब्रिज का निर्माण हो रहा है। गत कुंभ में चार पक्के घाट थे, महाकुंभ में 9 पक्के स्नान घाट बनाए जा रहे हैं। इन पर युद्ध स्तर पर कार्य चल रहा है। 30 नवंबर तक इन कार्यों को संपन्न कर लिया जाएगा। रिवर फ्रंट का भी निर्माण हो रहा है। 2019 में अस्थायी घाट 8 किमी. के थे, इस बार 12 किमी. के होंगे। इस बार 850 शटल बस लगाई जाएंगी। बस स्टैंड भी सात स्थान पर बनाए जाएंगे। सड़क चौड़ीकरण के दृष्टिगत सिंगल लेन को डबल लेन, टू लेन की सड़क फोर, फोर लेन को सिक्स लेन बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है।

उन्होंने कहा कि 2014 के पहले गंगा की पहचान गांगेय डॉल्फिन थी, वह समाप्त हो गई थी। अब फिर से वह देखने को मिली थी। अब कोई भी ड्रेनेज, सीवर गंगा जी में नहीं जाएगा। श्रद्धालुओं को अद्विष्ट व निर्मल गंगा के दर्शन होंगे। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अस्थायी रूप से नए हॉस्पिटल का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। गवर्नमेंट हॉस्पिटल व मेडिकल कॉलेज को विशेष रूप से तैयार किया गया है। 2019 के कुंभ में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज की पुख्ता व्यवस्था की गई थी। उस समय 1.14 लाख शौचालय बनाए थे। इसकी नियमित सफाई होती थी। 2025 महाकुंभ में डेढ़ लाख शौचालय बनाए जा रहे हैं। स्वच्छ कुंभ के साथ डिजिटल कुंभ के भी दर्शन होंगे। डिजिटल स्वच्छता, सुरक्षा, डिजिटल पार्किंग व कुंभ की पूरी मैपिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलेगी।

योगी ने बताया कि गत वर्ष 80 हजार श्रद्धालुओं व संस्थाओं के लिए टेंट की व्यवस्था थी। इस बार यह बढ़कर दोगुनी यानी 1.60 लाख हो गई है। कार्बन उत्सर्जन न हो, इसकी भी पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। पिछले कुंभ में 40,700 एलईडी स्ट्रीट लाइट लगी थी, इस बार लगभग 67,000 एलईडी, 2000 सोलर हाइड्रोजन स्ट्रीट लाइट व दो नए विद्युत सब स्टेशन लगाए जा रहे हैं। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए 1249 किमी. पेयजल पाइप लाइन व 200 वॉटर एटीएम व 85 नलकूप स्थापित करने की कार्यवाही चल रही है। सीएम योगी ने विश्वास जताया कि प्रयागराज महाकुंभ विरासत, विकास व भारत की सनातन धर्म की परंपरा को नई पहचान देने का नया अभियान होगा।

सविधान दिवस समारोह, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संस्कृत और मैथिली में सविधान के संस्करण का विमोचन किया

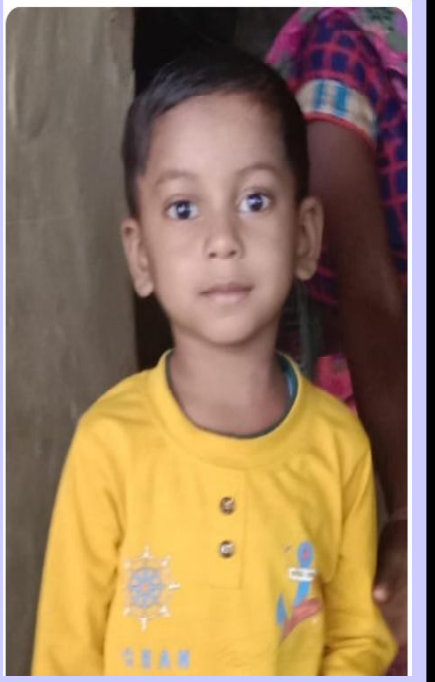


एजेंसी/नयी दिल्ली। भारत के सदनो के सदस्यों को संबोधित किया। सविधान को अंगीकार किए जाने का यह 75वां वर्ष है। मंगलवार को सविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। इस अवसर पर सविधान दिवस का एक विशेष कार्यक्रम सविधान सदन (द्वारन संसद भवन) के सेंट्रल हॉल में आयोजित किया गया। यहां राष्ट्रपति ने सविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर 75 रुपये का एक विशेष सिक्का जारी किया। इस दौरान एक डाक टिकट भी जारी किया गया। यह डाक टिकट सविधान की उन मूल भावनाओं का प्रतीक है जो भारत को एकजुट करती हैं और हमें आगे बढ़ने का मार्ग दिखाती हैं। राष्ट्रपति ने मंगलवार 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के अवसर पर संसद के दोनों

मल्लिकार्जुन खड़गे, राज्यसभा के नेता सदन जेपी नड्डा, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश मौजूद रहे। सविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राज्यसभा एवं लोकसभा के संसद सदस्य, दिल्ली स्थित मिशनो के प्रमुख और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित रहे। भारत के उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति किए जाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक स्मारक सिक्के और डाक टिकट का विमोचन किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने श्मारत के सविधान का निर्माण एक झलक नामक पुस्तक का विमोचन किया। भारत के सविधान का निर्माण और इसकी गौरवशाली यात्रा शीर्षक से प्रकाशित एक केंद्रीय कक्ष में आज ही के दिन सविधान सभा ने नव स्वधीन देश के लिए सविधान निर्माण का बहुत बड़ा कार्य संपन्न किया था। राष्ट्रपति ने कहा कि उस दिन संविधान सभा के माध्यम से हम भारत के लोगों ने अपने इस सविधान को अपनाया था। हमारा सविधान हमारे व्यक्तिगत और सामूहिक स्वामिमान को सुनिश्चित करता है। सविधान सदन में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इसके साथ ही मंगलवार को ही यहां राष्ट्रपति ने भारत के सविधान के संस्कृत और मैथिली संस्करण का संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में विमोचन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को 'संविधान दिवस' के अवसर पर सविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में संसद के दोनों सदस्यों को संबोधित किया। इस दौरान राष्ट्रपति के साथ उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति जगदीप ँनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय संसदीय मंत्री किरण रिजिजू, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष

84 बाबा आश्रम के पास गायब हुये बच्चे का मिला शव।

सुलतानपुर— कर्ज में डूबे युवक ने चौथी कक्षा के मासूम की गला घोट कर हत्या मामला चल ही रहा था कि मोतिगरपुर थाना क्षेत्र चौधरी का पुत्रवा (बेलहरी) में बुधवार से गायब हुये बच्चे के शव 84 बाबा आश्रम से मिला, मृतक की पहचान अभितेश पुत्र देवी सहाय के रूप में हुई है, गोसाईगंज थाना अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया की कल से गायब हुआ था बच्चा, आज उसका शव 84 बाबा आश्रम के पास गड्डे से मिला है जिसको शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया, तहरीर मिलने पर विधि कार्यवाही की जाए



कर्ज में डूबे युवक ने पांच लाख की मांगी रंगदारी, ना मिलने पर चौथी कक्षा के मासूम कर दी हत्या, हत्या कर घर के बेड के नीचे छुपाया था मासूम को।

सुलतानपुर— कर्ज में डूबे युवक ने 5 लाख की रंगदारी नहीं मिलने पर चौथी कक्षा के मासूम की गला घोटकर की हत्या, 36 घंटे में मासूम को नहीं बचा सकी पुलिस, चौकी से चंद कदम की दूरी पर चारदात को अंजाम दिया गया। खबर विस्तार से। सुलतानपुर जनपद में आज चौका देने वाला वाक्या सामने आया। कर्ज में डूबे युवक ने कर्ज से उबरने के लिए 14 साल के मासूम का अपहरण कर लिया। 5 लाख रंगदारी नहीं मिलने पर अपहरणकर्ता ने गला घोटकर मासूम की हत्या कर दी। बुधवार की भोर में हुई वारदात के बाद कई थाने की फोर्स पहुंच गई है। आरोपी को परिवार के समेत पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस चौकी से चंद कदम पर हुई वारदात से मोहल्ले वासियों में आक्रोश है। पीड़ित घर वाले आरोपी को फांसी देने की मांग कर रहे हैं। गौरतलब हो कि 5 लाख की रंगदारी नहीं देने पर अपहरणकर्ता ने 14 साल के मासूम ओसामा उर्फ साहिल पुत्र मो शकील की गला घोटकर हत्या कर दी। नगर कोतवाली के शाहगंज चौकी से चंद कदम की दूरी पर हुई वारदात के बाद सनसनीखेज स्थिति उत्पन्न हो गई है। मामला शहर के गांधीनगर मोहल्ले से जुड़ा हुआ है। हत्यारोपी कर्ज में डूबा था, कर्ज से उबरने के लिए वह 5 लाख की रंगदारी मांग रहा था। मृतक बच्चे का पिता अत्यधिक निर्धन है और छोटा-मोटा काम करके आजीविका चला रहा है। हत्या करने वाला आसिफ उर्फ सोनू पुत्र बबू निवासी गांधीनगर थाना कोतवाली नगर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस पूरे परिवार को पकड़ पूछताछ कर रही है। मृतक और हत्यारोपी के घर आमने-सामने होने की वजह से पीड़ित परिवारों को संदेह भी नहीं हुआ।



हेमंत सोरेन को एमपी-एमएलए कोर्ट से झटका

एजेंसी/रांची। ईडी के समन की अवहेलना के मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रांची की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट से झटका लगा है। अदालत ने ईडी की ओर से इस मामले में दायर मुकदमे में हेमंत सोरेन को व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति से छूट देने से इनकार कर दिया है। हेमंत सोरेन ने 5 जुलाई को अदालत में याचिका दाखिल कर दरखास्त की थी कि ईडी की ओर से समन अवहेलना का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ जो शिकायतवाद दायर की है, उसमें सुनवाई के दौरान उन्हें व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति से छूट दी जाए। एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट के न्यायधीन सार्कट शर्मा की अदालत ने सोरेन की याचिका को शिकायतवाद दर्ज कराया गया था। इसमें एजेंसी ने बताया है कि जमीन घोटाले में पूछताछ के लिए हेमंत सोरेन को दस समन भेजे गए थे, लेकिन इनमें से मात्र दो समन पर वह उपस्थित हुए। यह पीएमएलए (प्रिक्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की धारा 63 एवं आईपीसी की धारा 174 के तहत गैरकानूनी है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के बाद 4 महीने को सजा लगाया था। बाद में यह मामला एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया था। बता दें कि रांची के बड़ाई अंजल से संबंधित जमीन घोटाले को लेकर ईडी ने हेमंत सोरेन को पहली बार 14 अगस्त 2023 को हजरत होने के लिए समन भेजा गया था। इसके बाद इसी वर्ष उन्हें 19 अगस्त, 1 सितंबर, 17 सितंबर, 26 सितंबर, 11 दिसंबर, 29 दिसंबर को और 2024 में 13 जनवरी, 22 जनवरी और 27 जनवरी को समन भेजे गए थे। दसवें समन पर उनसे 31 जनवरी को पूछताछ हुई थी और इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

एजेंसी/पटना। बिहार में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने यूपी के संभल की घटना को अत्यंत दुखकारी बताते हुए कहा कि यह घटना सविधान की मूल भावना के खिलाफ है। बिहार के पूर्व उप

शिवसेना (यूबीटी) के विधायनमंडल दल के नेता चुने गए आदित्य ठाकरे, सुनील प्रभु बने मुख्य सचेतक



एजेंसी/मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विधानसभा चुनाव में जीतने वाले शिवसेना (यूबीटी) के विधायकों और अन्य नेताओं की सोमवार को यहां बैठक बुलाई। उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री पर हुई बैठक में आदित्य ठाकरे को पार्टी विधायकमंडल दल का नेता (दोनों सदनों का संयुक्त नेता) चुना गया। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने बैठक के बाद मीडिया को बताया, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) के 20 विधायक चुनकर आए हैं और उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में आज इन विधायकों की एक बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से आदित्य ठाकरे को दोनों सदनों का नेता चुना गया है। जबकि भास्कर जाधव को राज्य विधानसभा में पार्टी समूह का नेता चुना गया। इसके

अलावा सुनील प्रभु को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है। समूह का नेता चुने जाने के बाद भास्कर जाधव ने आईएनएस से खास बातचीत में कहा, चुनाव आयोग की गाइडलाइन के हिसाब से विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद विधायक दल की बैठक होती है, जिसमें पार्टी का नेता चुना जाता है। इसी कड़ी में आज शिवसेना (यूबीटी) की बैठक में तीन प्रस्ताव पारित किए गए। मुझे राज्य विधानसभा में पार्टी समूह का नेता चुना गया। आदित्य ठाकरे को विधानमंडल दल का नेता चुना गया है। जबकि, शिवसेना (यूबीटी) के विधायक अंबादास दानवे ने कहा, आज एक बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सुनील प्रभु और भास्कर जाधव को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। राज्य विधानसभा का नेता भास्कर जाधव को चुना गया है, इसके अलावा मुख्य सचेतक के रूप में सुनील प्रभु के नाम पर सहमति जताई गई है। दोनों सदनों का नेता आदित्य ठाकरे को चुना गया है। उन्होंने आगे कहा, लिखित तौर

संभल की घटना दुखकारी और सविधान की मूल भावना के खिलाफ : तेजस्वी यादव

एजेंसी/पटना। बिहार में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने यूपी के संभल की घटना को अत्यंत दुखकारी बताते हुए कहा कि यह घटना सविधान की मूल भावना के खिलाफ है। बिहार के पूर्व उप



मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को निशाने पर लेते हुए कहा कि जब किसी प्रदेश का मुख्यमंत्री बंटोगे तो कटोगे जैसे किंवदंती नारे देने लगे तो समझें वह संबैधानिक कर्तव्यों, राजधर्म और हिंदुस्तान का नेता भास्कर जाधव को चुना गया है, इसके अलावा मुख्य सचेतक के रूप में सुनील प्रभु के नाम पर सहमति जताई गई है। दोनों सदनों का नेता आदित्य ठाकरे को चुना गया है। उन्होंने आगे कहा, लिखित तौर

व्यावसायिक ठिकानों पर जीएसटी की एस आई बी अयोध्या टीम की छापेमारी

सुलतानपुर। सपा के नगर पालिका चेयरमैन पद की दावेदार रही और सपा की नेत्री प्रतिष्ठित व्यवसायी राखी विनीत तिवारी के सिविल लाइन स्थित एक सैलून और करींदिया स्थित व्यावसायिक ठिकानों पर जीएसटी की टीम ने आज छापे मारा। एडिशनल कमिश्नर प्रशांत सिंह की अनुवाई में आई टीम ने 6 घंटे से अधिक समय तक जांच पड़ताल की। साथ ही कई दस्तावेज भी चेक किए हैं। जीएसटी टीम की छापेमारी से हड़कंप मचा हुआ है। राखी विनीत तिवारी सोमनाथ इंफ्रास्ट्रक्चर, जावेद हबीब, जीडी गोयनका स्कूल समेत कई संस्थाओं से जुड़ी हैं। जीएसटी टीम की देर शाम तक जांच जारी रही। एडिशनल कमिश्नर राज्यकर प्रशांत सिंह ने बताया कि प्रोपराइटर ने अधिवक्ता के माध्यम से दस्तावेज पेश करने की बात कही है,हम सभी प्रपत्रों की जांच कर अग्रिम कार्यवाही करेंगे।

एसडीएम सदर ने रैन बसेरा का किया निरीक्षण।

सुलतानपुर— एसडीएम सदर ने रैन बसेरा का किया निरीक्षण। जप जिलाधिकारी सदर विपिन कुमार द्विवेदी ने बुधवार को नगर पालिका परिषद की ओर से संचालित रैन बसेरा का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी लालचन्द्र सरोज के साथ को रैन बसेरा के निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं जैसे बिस्तर,पीने के पानी,शौचालय,चौकीदार की व्यवस्था ठीक पाई।एसडीएम सदर ने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि रैन बसेरा में जो भी व्यक्ति रुके रजिस्टर में उसकी इंट्री की जाए। एसडीएम सदर विपिन कुमार द्विवेदी ने बताया कि ठंड से बचाव के लिए रैन बसेरा खोला गया है। ताकि लोग रात के समय ठंड से प्रभावित न हों।

राहुल गांधी ने सविधान की 75वीं वर्षगांठ पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी/नयी दिल्ली। सविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। प्रियंका ने लिख हमारा सविधान ही करोड़ों भारतीयों का सुखा कवच है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, क्षाप सभी को सविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे सविधान की मूल भावना यह है कि न्याय और अधिकार सभी के लिए एक समान होने चाहिए। सभी को स्वाभिमान के साथ जीने का अवसर मिलना चाहिए। आप सभी को सविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे संविधान की मूल भावना यह है कि न्याय और अधिकार सभी के लिए

के.डी.न्यूज

(हिन्दी दैनिक)



कमलेश पांडे उल्लेखनीय है कि संमल के कैला देवी मंदिर के ऋषिराज गिरी समेत आठ वादियों ने सिविल जज सीनियर डिविजन आदित्य कुमार सिंह की चंदौसी स्थित कोर्ट में इस बाबत एक वाद दाखिल किया है। जिसके दृष्टिगत कोर्ट ने कमिशन गठित कर रिपोर्ट मांगी है। कहते हैं कि लम्हों ने खता की और

सदियों ने सजा भुगती। भारत देश और भारतीय इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। मुहम्मद बिन कासिम जैसे मुस्लिम आक्रांताओं और उनके अनुयायियों ने तलवार की नोक पर भारत की देशज सत्ता हथियाने के बाद यहां की सनातन सभ्यता-संस्कृ ति के साथ जो खिलवाड़ किया, उसका हिसाब-किताब अब उनकी धर्मांतरित पीढ़ियों को देना पड़ रहा है। खासकर

मंदिरों को ढहाकर जिन मस्जिदों का निर्माण किया गया, उनकी मुक्ति यानी जीर्णोद्धार का अभियान अब स्थानीय प्रशासन के गले की हड्डी बन चुकी है।

देखा जाए तो ऐसे मामलों में कभी आपसी विवाद, तो कभी न्यायिक आदेश के अनुपालन में सिविल व पुलिस प्रशासन को अपनी सक्रियता दिखाने पड़ती है, लेकिन कानून का राज स्थापित करने में उनकी विफलता से जब तब संप्रदायिक दंगे भी भड़क जाते हैं जिससे धन-जन की भारी क्षति भी होती है। अतीत की बात यदि मुला दी जाए तो भी स्वतंत्र भारत की यह एक बड़ी चुनौती है, जबकि यह हिंदुओं के हिस्से का हिंदुस्तान है, क्योंकि मुस्लिमों को तो पाकिस्तान दे ही दिया गया, जिसका भाग ही बंगलादेश है। लेकिन भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने के बजाय धर्मनिरपेक्ष देश घोषित करना, फिर वोट बैंक की राजनीति के तहत मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति अपनाना और आतंकवाद पर समझौतागपरस्त रुख अपनाने की प्रतिक्रियाओं में उभरे राष्ट्रवाद व हिंदुत्व की जनभावना ने जब बदले की कार्रवाई शुरू की तो तथाकथित धर्मनिरपेक्ष ताकतों में खलबली मच गई। रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद और उसके न्यायसंगत समाधान ने तथाकथित धर्मनिरपेक्ष नेताओं के सत्ता की चूल्हे हिला दी और हर और उनका पतन हुआ।

अब रामजन्मभूमि मुक्ति मिशन के पूरा होने के बाद न केवल मथुरा-काशी, बल्कि वैसे तमाम मंदिरों की मुक्ति के

सम्पादकीय

संमल हिंसा से सुलगते सवालों का जवाब आखिर कौन देगा?

सवाल जनमानस में सुलगने लगे हैं, जिन्हें बर्बरतापूर्ण कार्रवाई के बाद मस्जिदों में तब्दील कर दिया गया था। चूंकि इतिहास खुद को दुहराता है, इसलिए अब धीरे-६ पिरे पुगने गड़े मुर्दे उखड़ने लगे हैं उखाड़े जाने लगे हैं। इसी कड़ी में उत्तरप्रदेश के संमल जनपद के सदर तहसील स्थित दीपा ससय की जामा मस्जिद को जब हिंदू पक्ष श्री हरिहर मंदिर होने का दावा कर रहे हैं और उनके इसी दावे के आधार पर कोर्ट ने जब मस्जिद के संरक्षण का आदेश दिया था, तो फिर कानून के अनुपालन में कार्य कर रहे लोगों के विरुद्ध शांतिप्रिय समुदाय द्वारा बवाल काटने को न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि संमल के कैला देवी मंदिर के ऋषिराज गिरी समेत आठ वादियों ने सिविल जज सीनियर डिविजन आदित्य कुमार सिंह की चंदौसी स्थित कोर्ट में इस बाबत एक वाद दाखिल किया है। जिसके अनुपालन में सिविल व पुलिस प्रशासन को अपनी सक्रियता दिखाने पड़ती है, लेकिन कानून का राज स्थापित करने में उनकी विफलता से जब तब संप्रदायिक दंगे भी भड़क जाते हैं जिससे धन-जन की भारी क्षति भी होती है। अतीत की बात यदि मुला दी जाए तो भी स्वतंत्र भारत की यह एक बड़ी चुनौती है, जबकि यह हिंदुओं के हिस्से का हिंदुस्तान है, क्योंकि मुस्लिमों को तो पाकिस्तान दे ही दिया गया, जिसका भाग ही बंगलादेश है। लेकिन भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने के बजाय धर्मनिरपेक्ष देश घोषित करना, फिर वोट बैंक की राजनीति के तहत मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति अपनाना और आतंकवाद पर समझौतागपरस्त रुख अपनाने की प्रतिक्रियाओं में उभरे राष्ट्रवाद व हिंदुत्व की जनभावना ने जब बदले की कार्रवाई शुरू की तो तथाकथित धर्मनिरपेक्ष ताकतों में खलबली मच गई। रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद और उसके न्यायसंगत समाधान ने तथाकथित धर्मनिरपेक्ष नेताओं के सत्ता की चूल्हे हिला दी और हर और उनका पतन हुआ।

अब रामजन्मभूमि मुक्ति मिशन के पूरा होने के बाद न केवल मथुरा-काशी, बल्कि वैसे तमाम मंदिरों की मुक्ति के

दिन में सर्व रिपोर्ट मांगी है, जिसे 29 नवंबर को जमा करना है। कोर्ट कमिश्नर और से किया गया था। ७ हालांकि, सवाल नवंबर की शाम को ही सर्वे की शुरुआत कर दी थी। रविवार को टीम सर्वे की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए दोबारा मस्जिद पहुंची थी। मसलन, कोर्ट से संरक्षण का आदेश जारी होने के बाद मंगलवार को जब पहली बार सर्वे हुआ, तब से ही मुस्लिम समुदाय में अस्तौष फैलने लगा और उस दिन भी विरोध हुआ था। क्योंकि मुस्लिम पक्ष मान रहा है कि इस प्रक्रिया में जल्दबाजी की गई, उनको पर्याप्त समय या अकसर नहीं दिया गया। इसलिए संरक्षण के दौरान मस्जिद के बाहर बड़ी संख्या में शांतिप्रिय समुदाय के लोग एकत्रित हो गए, जिससे स्थिति पहले तनावपूर्ण हुई, फिर अनियंत्रित हो गई। जिसे भारी मशक्कत के बाद नियंत्रित किया गया इबातया जाता है कि मस्जिद मेंआमतौर पर रविवार दोपहर में नमाज होती है। ऐसे में सर्वे करने वाली टीम को इससे पहले आने के लिए कहा गया था। सर्वे टीम के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि सुबह साढ़े 7 बजे टीम पहुंची और 10 बजे तक सर्वे चला। फिर हम जरूरी तस्वीरें और विडियो लेकर जब निकलने लगे तभी भीड़ ने घेर लिया। फिर संरक्षण टीम को सुरक्षित निकालने के क्रम में जो कुछ हुआ, वह न केवल योगी सरकार बल्कि शांतिप्रिय समुदाय के लिए भी एक कलंक है। ऐसा इसलिए कि लखनऊ में बाजाना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि, प्संमल में एक गंभीर घटना हुई। चुनाव के बारे में चर्चा को बाधित करने के लिए पक्ष का कहना है कि मंदिर पृथ्वीराज चौहान के शासन से पहले बना था, जबकि मस्जिद मुगलकाल में बाबरी को तोड़कर बनाई गई थी। लिहाजा, महंत ऋषि राज गिरि महाराज आदि ने 19 नवंबर को सिविल कोर्ट में याचिका दायर कर सर्वे की मांग की थी। इस मामले में सिविल जज के कोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के अधिकाता विष्णु शंकर जैन मुख्य याचिकाकर्ता हैं। चूंकि चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिविजन आदित्य कुमार सिंह की अदालत में वाद दाखिल किया था। इसलिए कोर्ट ने इसी याचिका पर 7

बता दं कि संमल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए दाखिल वाद के आधार पर सर्वे के लिए रविवार सुबह सात बजे कोर्ट कमिश्नर की टीम पहुंची तो संमल में बवाल हो गया। अनामत टीम के पहुंचने को सूचना पर जुटी भीड़ मस्जिद में दाखिल होने कोशिश करने लगी। फिर उच्चं रोकने पर भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। हिंसक मुठें भीड़ ने चंदौसी के सीओ की गाड़ी समेत कई वाहनों में तोड़फोड़ कर दी और आग लगा दी। इसी बीच लिए सुबह जानबूझकर एक संरक्षण टीम भेजी गई थी। इसका उद्देश्य अराजकता पैदा करना था, ताकि चुनावी मुद्दों पर कोई बहस न हो सके। में कानूनी या प्रक्रियात्मक पहलुओं में नहीं जाना चाहता, लेकिन दूसरे पक्ष की बात नहीं सुनी गई। यह जानबूझकर भावनाओं को भड़काने को चुनाव में धांधली पर चर्चा से बचने के लिए किया गया था। संमल में जो कुछ हुआ,

सम्पादकीय

तकनीकी विकास और

आधुनिकता के प्रभाव से जुड़ते बच्चे

वर्तमान युग में भारतीय समाज त्वरित गति से तकनीकी और सामाजिक बदलावों का सामना कर रहा है। तकनीकी विकास ने हमारे बच्चों के जीवन को जहां नये अवसर दिए हैं, वहीं कई संकटों को भी जन्म दिया है।आज के बच्चे, जो हर रोज स्मार्टफोन, इंटरनेट और अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते हैं, अपनी मानसिकता, आदतों और जीवनशैली में तेजी से बदलाव महसूस कर रहे हैं। पिछले कुछ दशकों में भारत में इंटरनेट, स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। शिक्षा से लेकर मनोरंजन तक, सब कुछ डिजिटल हो गया है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल गेमिंग, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस और वीडियोग्राफी जैसे अत्याधुनिक साधन बच्चों की सोच, आदतें और जीवनशैली को आकार दे रहे हैं। बच्चों का अधिकार समय स्मार्टफोन, टैबलेट, और कंप्यूटर पर बीतता है।

परिणामस्वरूप बच्चों में शारीरिक गतिविधियों की कमी हो रही है। शारीरिक निष्क्रियता से मोटापा, हड्डियों की कमजोरी और स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याएं बढ़ रही हैं। लंबे समय तक स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित करने से उनकी आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और आंखों की रोशनी में भी गिरावट आ रही है। मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। बच्चों को साइबरबुलिंग, पोर्नोग्राफी, और असामाजिक सामग्री का सामना करना पड़ रहा है, जो उनके मानसिक विकास को नुकसान पहुंचाता है। सोशल मीडिया पर खुद को दूसरों से बेहतर साबित करने का दबाव भी बच्चों को तनाव और अवसाद की ओर धकेल रहा है।

तकनीकी विकास ने भारतीय शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह बदल दिया है। ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल उपकरणों का बढ़ता उपयोग बच्चों को नई पद्धतियों से शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दे रहा है। इंटरनेट ने जहां बच्चों को दुनिया भर की जानकारी से परिचित कराया है, वहीं यह पारंपरिक शिक्षा की आदतों और मूल्यों से भी उन्हें दूर कर रहा है। बच्चों को खुद से पढ़ाई करने और स्वाध्याय की आदत डालने की बजाय वे अब इंटरनेट और तकनीकी उपकरणों पर निर्भर हो गए हैं। साथ ही, शिक्षा में नैतिक और सामाजिक शिक्षा की कमी भी महसूस हो रही है। आजकल के बच्चे भले ही तकनीकी दृष्टि से बेहद प्रगति कर गए हैं लेकिन उनके भीतर मानवीय मूल्यों, नैतिक शिक्षा और पारिवारिक संबंधों की अहमियत धीरे-धीरे कम हो रही है। यह स्थिति बच्चों को मानसिक और सामाजिक दृष्टिकोण से कमजोर बना रही है।

भारत में पारंपरिक रूप से बच्चों से उच्च शिक्षा की उम्मीदें बहुत अधिक होती हैं। माता-पिता और समाज बच्चों से उम्मीद करते हैं कि वे हमेशा सर्वोत्तम परिणाम देंगे, जो मानसिक दबाव का कारण बन सकता है। बच्चों को अपनी पहचान बनाने में भी कठिनाई हो रही है, क्योंकि वे समाज के मानकों में बंध कर जीने की कोशिश करते हैं। यह दबाव न उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालता है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी डगमगा सकता है।

इसके अलावा, आजकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्त जीवनशैली के कारण बच्चों को पर्याप्त समय और ध्यान नहीं मिल पाता। परिणाम यह होता है कि बच्चे अपने माता-पिता से मानसिक और भावनात्मक सहायता प्राप्त नहीं कर पाते और इस स्थिति में उनका मानसिक विकास बाधित हो सकता है।

इस संकट से उबरने के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण कदम उठाने होंगे-संतुलित जीवनशैलीक बच्चों को तकनीकी उपकरणों का उपयोग सीमित करना चाहिए। शारीरिक गतिविधियों, खेलकूद और परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलना चाहिए। संतुलित जीवनशैली बच्चों को मानसिक-शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है। आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षारू बच्चों को तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा और मानवता के मूल्यों की भी शिक्षा दी जानी चाहिए। इससे बच्चों का मानसिक-सामाजिक विकास संतुलित रूप से हो सकता है। पारिवारिक समर्थनक बच्चों को अपने परिवार से मानिसक-भावनात्मक समर्थन की आवश्यकता होती है।

माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए, उन्हें समझने और उनकी समस्याओं का हल निकालने में मदद करनी चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य की देखभालक बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। बच्चे किसी प्रकार के मानसिक तनाव या अवसाद से जूझ रहे हैं तो उन्हें काउंसलिंग और उचित मानसिक उपचार की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। शिक्षा में सुधारक पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। बच्चों को आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक मूल्यों की भी शिक्षा दी जानी चाहिए।

सरकार की अपने तरीकों से हस्तक्षेप करना का प्रयास किया है भारत सरकार, प्रदेश सरकारें समय- समय पर जागरूकता अभियान और दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने साइबर सुक्षा पर किशोरेच्छात्रों के लिए पुस्तिका भी बनाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल में चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने साफ कर दिया कि चाइल्ड पोर्न देखना या उसे स्टोर करके रखना भी पारको और आईटी कानून के तहत अपराध है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पारको एक्ट की धारा 15 के अनुसार चाइल्ड पोर्न देखना, रखना, प्रकाशित करना या उसे प्रसारित करना अपराध है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ सुझाव भी दिया। कहा कि अदालतों को अपने फैसले में चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉटेटिव मैटेरिअल का इस्तेमाल करना चाहिए।

सही मायने में श्वाल दिवसद्य का स्वरूप तब दिखेगा जब हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने जीरो टॉलरंस की नीति पर चलें। बच्चों के प्रति कोई हिंसा न हो। बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल यौन शोषण, बाल विवाह इस सभी चीजों से आजादी हो। भारत में आज के बच्चे तकनीकी विकास और आधुनिकता के प्रभाव से जुड़ा रहे हैं। यह तकनीकी युग उनके लिए कई नये अवसर उत्पन्न करता है, लेकिन इसके साथ ही यह उनके मानिसक, शारीरिक और सामाजिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव भी डाल रहा है।

हैमको 15 अगस्त 1947 को जब स्वतंत्रता मिली तब खुशी के माहौल में एक सवाल भी था कि हमारी शासन पद्धति कैसी होनी चाहिए। एक लम्बे समय से भारत में राजतंत्र चल रहा था। छोटे-बड़े राजा एक दूसरे से लड़ते भी थे। संभवतः इसी का नतीजा था कि भारत को लगभग एक हजार साल की गुलामी झेलनी पड़ी। इसीलिए स्वाधीनता के बाद शासन पद्धति का सवाल महत्वपूर्ण हो गया था। सरदार बल्लम भाई पटेल की दूरदर्शिता और अदम्य साहस ने भारत की पांच सौ से अधिक रियासतों को समाप्त कर भारत गणराज्य बनाया और बहुत पहले जिन राजवंशों ने लोकतंत्र की नींव रखी थी, उसे फिर से मजबूत किया गया। लोकतंत्र की व्यवस्था को चलाने के लिए संविधान की रचना जरूरी थी। प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में संविधान सभा बनी और लगभग तीन साल तक इस पर गंभीर विचार-मंथन के बाद 26 नवम्बर 1949 को मौजूदा संविधान को विधिवत स्वीकार किया गया था। इसके दो महीने बाद अर्थात् 26 जनवरी 1950 को इसे देश में लागू किया गया और तभी से गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। इस संविधान की रखवाली के लिए मुख्य रूप से न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका का गठन किया गया।

संविधान की भूमिका मेंलिखा गया-हम भारत के लोग भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी प्थ निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने



महिलाओं का हल बहुत बख चोटबैक भी है। इसलिए महिलाओं और बेटियों के लिए केंद्र और राज्यों में चुनाव के समय लोक उभावाव वादे किये जाते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं को उनकी योग्य दर्जे का सम्झा जाता है। आज भी दंगम रसोईघर में सीमित कर दी गयी। गंवां के हालात लगभग इसी तरह के हैं। हालांकि लड़कियों ने यह साबित कर दिया है कि वे किसी तरह भी लड़कों से कम नहीं हैफिर भी उनको विशेष मदद की

के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की अखंडता और राष्ट्र की एकता और उखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, सम्वत दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिकों में सम्मान की भावना को बढ़ावा देने के लिए तब से यह दिवस हर साल मनाया जाता है। देश भर में 26 नवंबर संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। संवैधानिक मूल्यों को प्रमोट करने के लिए सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट मंत्रालय ने संविधान दिवस मनाने का फैसला किया था। बता दें राष्ट्रीय संविधान दिवस को राष्ट्रीय कानून दिवस और भारतीय संविधान दिवस के नाम से भी जाना जाता है।

देश की संविधान सभा ने मौजूदा संविधान को स्वीकार किया था। हालांकि स्वीकार करने के दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। इस वजह से 26 नवंबर को संविधान दिवस में मनाया जाता है। संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक न्याय मंत्रालय ने 19 नवंबर 2015 को 26 नवंबर के दिन को

संविधान दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया था। संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देश के हर नागरिक को हो, इसलिए इस दिन को मनाया जाता है। इस दिन स्कूल और कॉलेजों में भारत के संविधान की प्रस्तावना को पढ़ाया जाता है। इसके साथ ही भारत के संविधान की विशेषता और महत्व पर भी चर्चा की जाती है। साल 2015 में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया गया था। यह खास इसलिए भी है, क्योंकि इसी साल संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती मनाई जा रही थी।

भारतीय संविधान को विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान माना जाता है। इसमें कई देशों के संविधान को अपनाया गया है। इसके कई हिस्से यूके, अमेरिका, जर्मनी, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और जापान के संविधान से लिये गए हैं। भारतीय संवि्धान में नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य, सरकार का भूमिका, पीएम, राष्ट्रपति, गवर्नर, और सीएम की शक्तियों का भी जिक्र है।

संविधान की मूल प्रतियां टाइप या प्रिंटेड नहीं थीं। इसे प्रेम नारायण रायजादा ने हाथ से लिखा था। संवि्धान को कैलीग्राफी में टूट्टैलिक अक्षरों में लिखा गया है। संविधान की ऑरिजिनल कॉपी 16 इंच चौड़ी है। इसे 22 इंच लंबे प्रैचमेंट शीट पर लिखा गया है। इसमें कुल 251 पेज हैं। पूरा संविधान तैयार करने में 2 साल, 11 महीने और

लक्ष्य है कि एक करोड़ से अधिक महिलाओं को इसका लाभ पहुंचाया जाए। योजना के तहत 21 से 60 वर्ष की आयु वाली सभी पात्र अर्थश्रेणियों को पांच वारों में पचास हजार रुपये कुम्भारों। प्रवती ने एक इंटरव्यू में बताया कि योजना सुंदरगढ जिले में शुरू की जाएगी। इससे 20 लाख से अधिक महिलाओं को सुभद्रा योजना में सुभद्रा योजना के तीसरे चरण का शुभारंभ किया है। प्रवती परिवार ने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि हम इस योजना में एक करोड़ से अधिक महिलाओं को शामिल करें। योजना में एक करोड़ से अधिक महिलाओं को शामिल करने का लक्ष्य है। मुझे विश्वास है कि इसी साल दिसंबर तक इस लक्ष्य को हासिल भी कर लेंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी साल राजधानी भुवनेश्वर में ओडिशा सरकार की प्रमुख सुभद्रा योजना का उद्घाटन किया था। यह राज्य की सबसे बड़ी महिला-वैदित योजना है। योजना का

के डीएम डॉ. राजेंद्र पेंसिया और एसपी कृ ण कुमार विस्नोई भी टीम के साथ थे। इसलिए बाहर हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाटियां चलाकर सर्वे टीम को किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाला। भले ही पुलिस के आक्रमक होते ही उपद्रवी भागने लगे, लेकिन कुछ देर बाद भीड़ फिर जुट गई और लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान छतों से फायरिंग होने लगी। मौके पर पहुंची अन्य जिलों की पुलिस और पीएसी के साथ अ्धि कारियों ने उपद्रव करती भीड़ से मोर्चा लिया। इसके बावजूद करीब छह घंटे हालात बेकाबू रहे। जैसे-तैसे भीड़ को तितर-बितर कर पुलिस आगे बढ़ी। पूरे इलाके की नाकेबंदी कर दी। इस घटना के बाद पूरे शहर में तनाव गहरा गया। शाम होने तक सख्ती इतनी बढ़ दी गई कि मुश्किल में अघोषित कर्फ्यू जैसा माहौल हो गया। एक

अगर हिंसा का शिकार युवकों के परिजनों ने पुलिस की गोली से मौत होने की बात कही है। वहीं, दूसरी ओर मौके पर पहुंचे कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि तीन युवकों में दो की मौत गोली लगने से हुई है, लेकिन पुलिस ने गोली नहीं चलाई थी। भीड़ को खदेड़ने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठी का प्रयोग किया था। तीसरे युवक की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। घायलों में डीआईजी, संमल के डीएम, एसपी और एसडीएम भी शामिल हैं वहीं, संमल बवाल में हयातनगर निवासी सराम (40), फतेहउल्ला सराय निवासी बिलाल (22) और मोहल्ला कोट तबेला निवासी नईम (36) की मृत्यु हो गई। वहीं, एक अन्य मृतक की पहचान नहीं हुई है। इस बवाल के बाद पुलिस के साथ पीएसी, अरआरएफ और आरएफ को शहर में लगाया गया है। बवाल में कई पुलिसकर्मी और अधिकारी घायल हुए हैं। सभी का मेडिकल कयाय गया है। बवालियों को विद्धित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, उपद्रवी गिरफ्तारी के डर से चौपै-छिपे इलाका करा रहे हैं। घायल लोग कहां और कैसे इलाज करा रहे हैं, पुलिस इसकी तलाश कर रही है। एएसपी

इससे साफ है कि शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल में जनहानि के साथ बड़ी आर्थिक क्षति हुई है। इसलिए बवाल के बाद पुलिस उपद्रवियों को पकड़ने के प्रयास में जुटी है। सीसीटीवी से पहचान करने के बाद पुलिस उन्हें पकड़ने के प्रयास में जुटी है। पुलिस ऐसे लोगों का सहयोग ले रही है, जो शांतिप्रिय हैं। घर-घर पुलिस की टीम दबिश दे रही है और उपद्रवियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।



संघीय है। केन्द्रीय कार्यपालिका का सांविधानिक प्रमुख राष्ट्रपति है। भारत के संविधान की धारा 79 के अनुसार, केन्द्रीय संसद की परिषद् में राष्ट्रपति तथा दो सदन है जिन्हें राज्यों की पर प्रधानमन्त्री होगा, राष्ट्रपति इस मन्त्रिपरिषद् की सलाह के अनुसार अपने कार्यों का निष्पादन करेगा। इस प्रकार वास्तविक कार्यकारी शक्ति मन्त्रिपरिषद् में निहित है जिसका प्रमुख प्रधानमन्त्री है जो वर्तमान में नरेंद्र मोदी है। मन्त्रिपरिषद् सामूहिक रूप से लोगों के सदन (लोक सभा) के प्रति उत्तरदायी है। प्रत्येक राज्य में एक विधायनसभा है। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक,आन्ध्रप्रदेश और तेलंगाना में एक ऊपरी सदन है जिसे विधानपरिषद् कहा जाता है। राज्यपाल राज्य का प्रमुख है। प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होगा तथा राज्य की कार्यकारी शक्ति उसमें निहित होगी। मन्त्रिपरिषद्, जिसका प्रमुख मुख्यमन्त्री

है, राज्यपाल को उसके कार्यकारी कार्यों के निष्पादन में सलाह देती है। राज्य के मन्त्रिपरिषद् से राज्य की विधान सभा के प्रति उत्तरदायी है। संविधान की सातवीं अनुसूची में संसद तथा राज्य विधायिकाओं के बीच विधायी शक्तियों का वितरण किया गया है। तथा इसी अनुसूची में सरकारों द्वारा शुल्क एवं कर लगाने के अधिकारों का उल्लेख है। इसके अंतर्गत तीन सूचियां हैं। संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। अवशिष्ट शक्तियाँ संसद में विहित हैं। अन्ध्र प्रदेशासिद्ध भू-भागों को संसदराज्य क्षेत्र का जाला है।

सम्भ्रमुता शब्द का अर्थ है सर्वोच्च या स्वतन्त्र होगा। भारत किसी भी विदेशी और आन्तरिक शक्ति के नियन्त्रण से पूर्णतः मुक्त सम्भ्रमुतासम्पन्न राष्ट्र है। यह सौधे लोगों द्वारा चुने गए एक मुक्त कार्यकारी शक्ति उसमें निहित होगी। मन्त्रिपरिषद्, जिसका प्रमुख मुख्यमन्त्री

है, राज्यपाल को उसके कार्यकारी कार्यों के निष्पादन में सलाह देती है। राज्य के मन्त्रिपरिषद् से राज्य की विधान सभा के प्रति उत्तरदायी है। संविधान की सातवीं अनुसूची में संसद तथा राज्य विधायिकाओं के बीच विधायी शक्तियों का वितरण किया गया है। तथा इसी अनुसूची में सरकारों द्वारा शुल्क एवं कर लगाने के अधिकारों का उल्लेख है। इसके अंतर्गत तीन सूचियां हैं। संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। अवशिष्ट शक्तियाँ संसद में विहित हैं। अन्ध्र प्रदेशासिद्ध भू-भागों को संसदराज्य क्षेत्र का जाला है।

सम्भ्रमुता शब्द का अर्थ है सर्वोच्च या स्वतन्त्र होगा। भारत किसी भी विदेशी और आन्तरिक शक्ति के नियन्त्रण से पूर्णतः मुक्त सम्भ्रमुतासम्पन्न राष्ट्र है। यह सौधे लोगों द्वारा चुने गए एक मुक्त कार्यकारी शक्ति उसमें निहित होगी। मन्त्रिपरिषद्, जिसका प्रमुख मुख्यमन्त्री

है, राज्यपाल को उसके कार्यकारी कार्यों के निष्पादन में सलाह देती है। राज्य के मन्त्रिपरिषद् से राज्य की विधान सभा के प्रति उत्तरदायी है। संविधान की सातवीं अनुसूची में संसद तथा राज्य विधायिकाओं के बीच विधायी शक्तियों का वितरण किया गया है। तथा इसी अनुसूची में सरकारों द्वारा शुल्क एवं कर लगाने के अधिकारों का उल्लेख है। इसके अंतर्गत तीन सूचियां हैं। संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। अवशिष्ट शक्तियाँ संसद में विहित हैं। अन्ध्र प्रदेशासिद्ध भू-भागों को संसदराज्य क्षेत्र का जाला है।

इन्में एक है मुद्रा योजना। यह योजना महिला उद्यमियोंको सशक्त बनाने के लिए है। इसके तहत, महिलाओंको सरलीकृत मानदंडों पर ऋण मिलता है और 10 लाख रुपये तक के ऋण के लिए जमानत की जरूरत नहीं होती। इसी प्रकार की महिला अधिकारिता योजना भी है। इस योजना के तहत, सफाई कर्मचारियों और स्वच्छकार महिलाओं को लघु और प्चुकर कारोबार के लिए 2 लाख रुपये तक का ऋण मिलता है। महिलाओंके लिए महिला समृद्धि योजना (एमएसवाई) भी है

इस योजनाके तहत, सफाई कर्मचारियों और स्वच्छकार महिलाओंको 1 लाख रुपये तक का ऋण मिलता है। कामकाजी महिला छात्रावास योजना के तहत, कामकाजी महिलाओंको अपना उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही, उनके बच्चोंके लिए ६ केंद्र पर भी मिलती है। उज्ज्वला योजना के बारे में भी तारीफें जाते हैं। यह योजना महिलाओंको कोयला और लकड़ियोंके ६ रुपें से बचावके लिए है। महिलाओंको मुक्त

ओपन एक्सेस पब्लिशिंग से शोध प्रकाशनों को फ्रीडम : डा. मोहित गर्ग

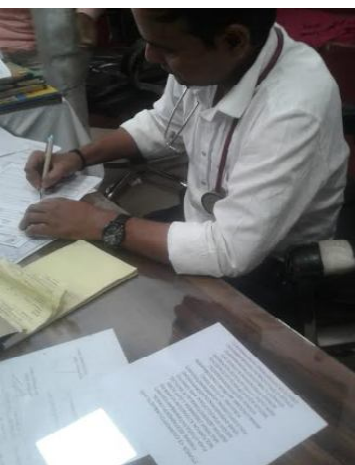
-नई टेक्नोलरजी से शोधार्थियों को अपडेट रहने की जरूरत

-अव्यय विधि में ओपन एक्सेस पब्लिशिंग विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ



अयोध्या (एजेंसी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अथर्व विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के निर्देशन में केंद्रीय पुस्तकालय और आईआईटी दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में ओपन एक्सेस पब्लिशिंग विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ मौकित एवं इलेक्ट्रॉनिक विभाग के सेमिनार कक्ष में किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता आईआईटी दिल्ली के डॉ. मोहित गर्ग रहे। अध्यक्षता डीन ऑफ साइंस प्रो० एसएस मिश्रा ने की। अतिथियों के प्रति स्वागत कार्यशाला के संयोजक प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल द्वारा किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ० मोहित गर्ग ने बताया कि ओपन एक्सेस पब्लिशिंग को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। इसमें शोध प्रकाशनों को फ्रीडम दी जाती है। इसके अलावा उन्हें ओपन लाइसेंस भी दिया जाता है। उन्होंने बताया कि ओपन एक्सेस से शोध को काफी मदद मिली है। अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर इसका काफी उपयोग किया जा रहा है। शोध संबंधी जानकारी ओपन एक्सेस पब्लिशिंग निःशुल्क उपलब्ध कराता है। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए डीन साइंस प्रो. एस.एस. मिश्र ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान का केंद्र है। वर्तमान में शोध की नई टेक्नोलॉजी से प्रत्येक शोधार्थी को अपडेट रहने की आवश्यकता है। इसमें ओपन एक्सेस पब्लिशिंग उपयोगी सिद्ध होगा। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए दो दिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर शाम्भवी मुद्रा शुक्ला ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रो. केशव सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। तकनीकी सहयोग डॉ. अनुरूप सिंह ने किया। मौके पर प्रो. के के वर्मा, प्रो. गंगा राम मिश्रा, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. सिधु सिंह, डॉ. शिवी श्रीवास्तव, डॉ. संजीव कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अलका माधुर, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. शिव कुमार, डॉ. सुधीर सिंह, डॉ. देवेश प्रकाश, डॉ. अश्विनी, डॉ. सविन, डॉ. अरविंद कुमार वाजपेयी, डॉ. मिथिलेश तिवारी सहित शोधार्थी मौजूद रहे।

इमरजेसी ओपीडी में डाक्टर अपने बगल रसवते हैं बाहरी दवाओं की सूची



अयोध्या (एजेंसी)। सरकारी अस्पताल में दो-दो लाख रुपये की तनख्वाह लेने वाले चिकित्सक गरीबों की जेब पर डंका डालना नहीं छोड़ रहे हैं। खास तौर से जिला अस्पताल में। यहां की इमरजेसी ओपीडी में हर दवाएं उपलब्ध हैं, लेकिन बाहरी व कमीशनखोरी की दवाएं जरूर मंगाई जाती हैं। बाकायदा बाहरी दवाओं की लिस्ट लेकर चिकित्सक बैठते हैं और उसी को देखकर मरीजों को अपने चहेते फार्मासिस्ट के पास दवा लेने के लिए भेजते हैं। यह लिस्ट सोमवार को वायरल हो गई। इसके सोशल मीडिया पर प्रसारित होते ही हड़कंध मच गया और आनन-फानन में वहां से हटवा दी गई। अयोध्या के नामी-गिरामी जिला अस्पताल में ऐसा कोई एक दिन नहीं होता जब यहां से बाहर की दवा लिखने की शिकायत न सामने आई हो। ऐसा नहीं है कि सीएमएस व अधीक्षक को इस बात का पता नहीं है। कई बार चिकित्सक व फार्मासिस्ट को इस बाबत पत्र भी जारी हो चुका है। सीएमएस भी राउंड लेते हैं। होंके-मोंके एंडी हेल्थ भी निरीक्षण को पहुंच जाते हैं। बाहर की दवाएं भी पकड़ते हैं, लेकिन डांट-उपट के बाद चले जाते हैं। इससे यहां के चिकित्सक व फार्मासिस्ट के हाँसले बुलंद बने हुए हैं। सूत्रों का मानना है बाहर की दवाओं का कमीशन ऊपर बैठे अधिकारियों तक भी जाता है। इस कारण पब्लिक प्लेस में आकर डांट-फटकार कर चले जाते हैं, ताकि मीडिया में उनके निरीक्षण की खबर भी छप जाए और उनकी नौकरी भी चलती रहे। इसी का परिणाम है कि डॉक्टर अपने बगल बाहरी दवाओं की सूची लेकर बैठते हैं। जिला अस्पताल में सेंटिंग बहुत अच्छी चल रही है। यहां हर डॉक्टर को सामने के केमिस्ट में सेट कर रखा है। अगर कोई दवा मौके पर नहीं रहती है तो ज़ुत उन्हे फोन कर के मरीजों को दूसरी कंपनी की दवा दे दी जाती है।

अयोध्या में स्वत्म होगी पार्किंग की समस्या, मिलेगी पजल पार्किंग

अयोध्या (एजेंसी)। रानगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं के साथ आने वाले वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रामनगरी को 53 करोड़ की लागत से अध्याधुनिक स्वच्छालित पजल पार्किंग की सीमागत मिलने वाली है। रामकोट क्षेत्र में 2.31 एकड़ भूमि पर इसका निर्माण होगा। इसमें 474 चार पहिया वाहनों के पार्किंग की क्षमता होगी। अपने तरह की यह पहली पार्किंग सुविधा होगी। इस पार्किंग में आधुनिक तकनीक जैसे सेसर और इटेलिजेंट एल्गोरिदम का उपयोग होगा। कारों को कॉम्प्लेक्स के फ्रंट से लेकर अन्य खाली स्थानों तक कन्वयेर, टर्नटेबल्स, लिफ्ट और स्लाइडिंग प्लेटफॉर्मस के माध्यम से ले जाया जाएगा। इस परियोजना के तहत पांच मंजिला इमारत का निर्माण किया जाएगा। इसमें रेंजिडेशियल ब्लॉक और श्रमिकों के लिए डॉर्मेट्री शामिल होगी। इसके अलावा 12 दुकानें, वॉशरूम, एक इलेक्ट्रिक सब स्टेशन, पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, एक ज़ाईनिंग एरिया, रसोई, स्वागत कक्ष और प्रतीक्षा कक्ष का निर्माण भी प्रस्तावित किया गया है। अयोध्या धाम आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने और आराम करने के लिए विभिन्न सुविधाओं से लैस कमरे भी बनाए जाएंगे। अयोध्या विकास प्राधिकरण की ओर से नगर विकास विभाग के सहयोग से इस पार्किंग का निर्माण कार्य अगले साल शुरू होगा। निर्माण और संचालन की जिम्मेदारी एक चुनी हुई एजेंसी को दी जाएगी। कंपनी इसके संचालन पर हर महीने 5.7 लाख रुपये खर्च करेगी। यह कॉम्प्लेक्स राम मंदिर के पास रामकोट क्षेत्र में होगा। इसे टेढ़ी बाजार रोड से भी जोड़ा जाएगा ताकि लखनऊ और गोरखपुर हाईवे से आने वाले वाहन सीधे यहां तक पहुंच सकें। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि यह पार्किंग सुविधा हनुमानगढ़ी, कनक भवन और दशरथ महल जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों के पास होगी। इससे यहां अपने वाहनों से दर्शन-पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। वाहनों की पार्किंग करने के साथ ही ठहरने और खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध होगी।

क्षत्रिय कल्याण परिषद की बैठक में दर्जनो लोगों ने ली आजीवन सदस्यता



अयोध्या (एजेंसी)। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद की महत्वपूर्ण बैठक हुई संपन्न। हैरिगटनगंज ब्लॉक इकाई की वार्षिक बैठक अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद के सभी पदाधिकारों की बीच शिक्षण संस्थान श्री गनेश सिंह महाविद्यालय मिर्जापुर में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद में आस्था जताते हुए ब्लाक क्षेत्र के 48 क्षत्रिय बन्धुओं ने आजीवन सदस्यता ग्रहण किया, 3 सदस्य पूर्व से ही आजीवन सदस्यता ग्रहण करके दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं, इस प्रकार हैरिगटन गंज ब्लॉक में 51 स्थायी सदस्य हो गए। प्रदेश सचिव अनिल सिंह ने कहा कि हम सबको अनावश्यक खर्चों से बचते हुये अपने परिवार में शिक्षा और संस्कार को बढ़ावा देना होगा। हमें अपने समाज के कमजोर वर्ग के लोगों की हर तरह से सहायता करनी चाहिए। प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने कहा कि कल्याण परिषद में सदस्य और पदाधिकारी का बराबर सम्मान होता है। हम सब दहेज प्रथा को पूर्णतया समाप्त करने का प्रयास करें और अपने समाज के कमजोर परिवारों के बच्चों की शिक्षा और रोजगार में मदद करें। मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष भगोती सिंह ने कहा कि हम सब एकजुट होकर अपने समाज में एकदूसरे को सहायता करें। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों व विशिष्ट अतिथियों को माला पहनकर स्वागत सम्मान किया गया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष सन्तोष सिंह, ब्लाक अध्यक्ष हरिवंश सिंह, ब्लाक उपाध्यक्ष धर्मैद्र सिंह एवं ब्लाक महामंत्री शिवप्रताप सिंह (लालजी), ब्लाक अध्यक्ष हरिवंश सिंह, मुख्य अतिथि कल्याण परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष भगोती सिंह,लोलपुर गोण्डा व विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, प्रदेश सचिव सूर्यभान सिंह, प्रदेश सचिव अनिल सिंह, जिलाध्यक्ष अम्बर्ष सिंह, अमरमोहन सिंह मुन्ना,जिला कोषाध्यक्ष रवींद्र कुमार सिंह, भूतेंद्र सिंह, न अनिल सिंह, परिक्रमा सिंह, अमरदीप सिंह, अमरजित सिंह, भगवती सिंह,देव बक्श सिंह,कुबलेश सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के क्षत्रिय बन्धु उपस्थित रहे।

पति गया कमाने, पत्नी गहने-रुपए लेकर प्रेमी के साथ हुई फुर्र, पत्नी-बच्चे की तलाश में मटकते पति का हुआ बुरा हाल

मीरजापुर(एजेंसी)। जिस पत्नी के साथ जीवन बिताने की सोच जीवन के हसीन पलों का सपना संजोर हुए था, वह कुछ पलों में ही चकनाचूर करते हुए पत्नी पराए के साथ फुर्र हो ली है। पत्नी की बेफ़काई भरे कदम से आहत पति ने पुलिस से फरियार लगाई है। इलाकाई पुलिस ने फरियार नहीं सुनी तो वह मुख्यालय पर अधिकारियों के चौखट पर दरखवास्त लिए मटकता-फिर रहा है। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के पडरौी थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले कौआ (बिलवन) गांव निवासी विजय प्रताप पुत्र बच्चन सिंह अपनी पत्नी विभा की तलाश में इन दिनों दर दर भटकते फिर रहे हैं। उनका आरोप है कि उनकी पत्नी विभा प्रयागराज जनपद थाना धरवई क्षेत्र के देवरिया गांव निवासी सोनू पुत्र गुलाब सिंह के साथ फरार हो गई है। पत्नी विभा अपने साथ नगदी-गहना सहित उनके तीन वर्ष के बेटे आदर्श को भी ले कर गई है। विजय प्रताप के मुनाबिक उसकी शादी पूरे रिती रिवाज के साथ 2010 में हुई थी। शादी के बाद उसके दो बच्चे भी हुए हैं। घर परिवार को जीमेदारियां बढ़ी तो वह पुणे कमाने चला गया जहां वह पुणे में आईवेट कार्य करता है। इस बीच उसकी बराबर पत्नी से बातचीत भी होती रही है। पत्नी, घर-परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए वह मेहनत किए जा रहा था, इधर कुछ और ही गुल खिलाए जा रही थी, जिससे बेखबर विजय जबतक कुछ समझ पाता कि तब तक काफी देर हो चुकी थी। उसकी पत्नी विभा उसके सारे अरमानों को चकनाचूर करते हुए 9 अक्टूबर 2024 को दिन में 9 बजे 3 वर्षीय बेटे आदर्श को लेकर घर में रखा दस हजार रूपया, मोबाइल व डेढ़ लाख का गहना लेकर सोनू के साथ फरार हो गई है। जिसकी काफी खोजबीन की गई लेकिन कोई भी पता नहीं चला। इसी बीच तलाशते-तलाशते पता चला कि विभा सोनू के साथ शादी करके प्रयागराज में ही कहीं रह रही है, इधर विजय छोटे बेटे आदित्य को लेकर पत्नी-बेटे की तलाश में और सोनू पर कार्रवाई की मांग को लेकर मटकता फिर रहा है। आश्चर्य कि बात है।

विद्युत विभाग ने कसा शिकंजा, अब बड़े बकायेदारों का नाम होगा सार्वजनिक

-सब डिवीजन सोहावल में गत माह तक सामने आई लगभग एक अरब 31 करोड़ की बकायेदारी

सोहावल-अयोध्या (एजेंसी)। विद्युत विभाग ने बकायेदारी को लेकर अब तक नजर अंदाज करने वाले विद्युत उपभोक्ताओं का नाम सार्वजनिक करने पर विभाग विचार कर रहा है। कई बार संदेश देने और कनेक्शन काटने के बावजूद अभी हजारों बड़े बकायेदारों ने अपना बकाया विद्युत बिल भुगतान नहीं किया है। विद्युत विभाग के सब डिवीजन सोहावल में गत माह तक सामने आई लगभग एक अरब 31 करोड़ के बकायेदारी को लेकर वसूली अभियान में लगे विभाग का शिकंजा बकायेदारों पर बीते माह से कसा हुआ है। वसूली विभाग के कर्मों बकायेदारों के घर का दरवाजा घर-घर जाकर खटखटा रहे हैं। बड़े बकायेदारों का बिल न जमा

होने की स्थिति में मौके पर कनेक्शन काटकर विभाग इनकी आर सी भेज रहा है। अब तक ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या 10 हजार से ऊपर बताई जा रही है।कई आशवासनों और चेतावनी संदेश देने और कनेक्शन काटने के बावजूद सैकड़ों उपभोक्ता ऐसे हैं।जिनका बकाया लाखों में है। लेकिन इन्होंने अब तक विभाग को ठेंगा दिखा रखा है। विभाग अब इनका नाम सार्वजनिक करने की सोच रहा है। सोमवार को इस सम्बन्ध में पूछे जाने पर उप-मंडलीय अभियंता मनोज कुमार यादव ने बताया कि डिफाल्टर और बड़े बकायेदार उपभोक्ताओं का नाम पता और बकायेदारी सार्वजनिक किए जाने के साथ और कड़े कदम उठाने पर विचार किया जा रहा है। जिससे इन पर दबाव बने और बकायेदारी जमा हो।शासन ने बकायेदारी पर शिकंजा कसा तो विभागीय अधिकारियों में भ्रूणक आ गया। अवर अभियंता से लेकर मुख्य अभियंता तक सभी के आगे जवाब तलबी नजर आने लगी है। विभाग से जुड़े स्थानीय विद्युतकर्मों तक बकायेदार उपभोक्ताओं का दरवाजा खटखटा रहे हैं।बीते माह के अंत तक लगभग 28956 विद्युत उपभोक्ताओं से जुड़ी एक अरब 31 करोड़ से ज्यादा की बकायेदारी को कम स्थिति में लाने के लिए विभाग रात दिन लगा हुआ है। 10 हजार रुपये से ज्यादा के बकायेदारों की आर



सी भेजी जाने लगी है।इससे कम के बकायेदारों की 24 घंटे में बिल भुगतान न करने पर लाइन काटने का निर्देश जारी कर दिया गया है।उपभोक्ता का बिल भुगतान करने के लिए रोकिया को भी विभाग का कार्यालय खुला रहा। सोहावल उप मंडल की इस बकायेदारी में जो खुलना सामने आया है।इसमें 8495 विद्युत उपभोक्ता ऐसे हैं। जिन्होंने 2017-18 के दौरान अपने कनेक्शन तो लिए लेकिन बिल देना आज तक मुनासिब ही नहीं समझा है। अकेले इन उपभोक्ताओं की बकायादारी 45 करोड़ से ज्यादा की बताई जा रही है। इस सब डिवीजनों में 7842 धरंरू बिजली के उपभोक्ता ऐसे सामने आए हैं। जिन पर 35 करोड़ 857000 से ज्यादा का बिल बकाया चल रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा निजी नलकूपों को

बिजली मुक्त किए जाने के बावजूद इनके पहले का बकाया 8 करोड़ 49 लाख के आसपास है। जिनकी देनदारी 5773 उपभोक्ताओं की बताई जाती है। और अब इसकी वसूली के लिए विद्युत विभाग के सचिवाकर्मों तक उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर दरस्तक दे रहे हैं।जिससे जल्द से जल्द बकाया जमा कराया जा सके। उप मंडलीय अभियंता मनोज कुमार यादव ने कहा कि विद्युत बिल के बड़े बकायेदार माने जाने वाले अब तक साढ़े 4 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं की आर सी जारी कर तहसील को भेजी जा चुकी है। बकायेदारों को 24 घंटे की मोहलत दी जा रही है। जिनकी बकाया राशि नहीं जमा होगी उनके कनेक्शन तत्काल काटे जा रहे हैं।

राम मंदिर निर्माण को 30 जून 2025 तक पूरा करने का होगा प्रयास :नृपेंद्र मिश्रा

-कहा-अधिक दबाव डालेंगे तो गुणवत्ता होगी प्रभावित होगी



अयोध्या (एजेंसी)। सोमवार को राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने भवन निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक के बाद कहा कि "हमारा लक्ष्य मार्च 2025 तक सब कुछ पूरा करने का था लेकिन अब लगता है कि काम पूरा करने में कुछ और समय लगेगा। लार्सन एंड टुन्नो के लोग बार-बार कह रहे हैं कि अगर आप गति के हिसाब से अधिक दबाव डालेंगे सीमा, तो गुणवत्ता प्रभावित होगी। हमें उनकी इस बात का सम्मान करना होगा, हम 30 जून 2025 तक प्रयास कर रहे हैं, तब तक सभी काम पूरा हो जाना चाहिए।सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि मंदिर निर्माण का पूरा काम 30 जून 2025 तक पूरा हो जाएगा। मंदिर निर्माण का लगभग 60 फीसदी काम पूरा हो चुका है। हमने कल जो समीक्षा की, उसका मुख्य कारण यह था कि मंदिर में जिंति चित्र नहीं काट सकते। उन्होंने आगे कहा कि इसमें कहानी की निरंतरता होनी चाहिए। यह संभव नहीं होगा। इसलिए इसमें बहुत समय लगेगा है। हमारे कलाकारों ने कुछ तरीके सुझाए हैं जो तकनीकी दृष्टिकोण से हैं। कल रात इसका अन्यास किया गया होगा, आज इसके परिणाम आएंगे।

सीएम डैशबोर्ड से संबंधित रिपोर्ट तत्काल विभाग को उपलब्ध कराया जाए : एडीएम

कलेक्ट्रेट समागार में हुई राजस्व एवं वसूली सम्बंधी प्रगति की समीक्षा बैठक



अयोध्या (एजेंसी)। अपर जिलाि कारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कमाण्ड सेंटर द्वारा सीएम डैश-बोर्ड के फ्लेगशिप प्रोजेक्टों की माह अक्टूबर 2024 की जारी रैंकिंग के आधार राजस्व एवं वसूली सम्बंधी प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट समागार में

आहूत की गयी। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए समस्त उप जिलाि कारी व तहसीलदारों को निर्देशित किया कि सीएम डैशबोर्ड से संबंधित रिपोर्ट तत्काल संबंधित विभाग को उपलब्ध कराया जाए, जिससे संबंधित विभाग

समय से प्रकरण का निस्तारण कर सके। उन्होंने कहा कि सभी लंबित प्रकरणों को माह के अंत तक समय ही मंडी आवश्यक के लिए निर्देश दिया गए। इसके साथ ही अपर जिलाि कारी ने उद्योग, आबकारी, खादस, औषधि विक्रय, बाट-माप, आवस एवं रसद, गन्ना, जलकल, नगर विकास, खनन, परिवहन, जीएसटी सहित अन्य विभागों की बिंदुवार समीक्षा की गई और संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि लंबी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा के अंदर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके उपरान्त अपर जिलाधिकारी

द्वारा उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार से धारा 80, 116, 67, 24, 98 आदि प्रकरणों को माह के अंत तक समय ही निर्धारित समय अंतर्गत पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही वसूली समिति को निर्देश दिए की मंडी शुल्क के लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्त करें इसके साथ ही मंडी आवक में सुधार के लिए निर्देश दिए गए। इसके साथ ही अपर जिलाि कारी ने उद्योग, आबकारी, खादस, औषधि विक्रय, बाट-माप, आवस एवं रसद, गन्ना, जलकल, नगर विकास, खनन, परिवहन, जीएसटी सहित अन्य विभागों की बिंदुवार समीक्षा की गई और संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि लंबी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा के अंदर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके उपरान्त अपर जिलाधिकारी

गड़बड़ा धाम मेला : एसडीएम ने बैठक कर तैयारियों को पूर्ण कराने का दिया निर्देश

इन्द्रगंज, मीरजापुर(एजेंसी)। हलिया विकास खंड क्षेत्र के गड़बड़ा धाम में लगने वाले मेला के तैयारियों के लिए उप जिलाधिकारी आशााराम वर्मा व क्षेत्राधिकारी लालगंज अशोक कुमार सिंह ने सोमवार को गड़बड़ा धाम में विकास विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, चक्रबंदी विभाग,पशुपालन विभाग, मेला प्रबंधक के साथ बैठकर मेला की तैयारियों को 30 नवंबर तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया है। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर समन्वित के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मेला क्षेत्र में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरियर, वाहनों के पार्किंग व्यवस्था, पर्याप्त साफ सफाई व्यवस्था, बिजली लाइफलाइन, सेवटी नदी के घाट पर महिलाओं को वस्त्र बदलने की व प्रकाश व्यवस्था,

छतिग्रस्त रपट,मंदिर परिसर में सीसी टीवी कैमरे की व्यवस्था कराने के लिए संबंधित को निर्देशित किया सारी व्यवस्था 30 नवंबर तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया है। साथ ही मेला प्रबंधक को हर पॉइंट पर पर्याप्त सीसी टीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया है जिस पर मेला प्रबंधक द्वारा बताया गया की 12 सीसी टीवी कैमरे लगाए गए हैं। मेला परिसर में पर्याप्त साफ सफाई व्यवस्था के लिए सहायक विकास अधिकारी पंचायत रुपेश श्रीवास्तव को तीन शिफ्ट में सफाईकर्मियों की ड्यूटी लगाने का निर्देश दिया है। सामुदायिक शौचालय मोबाइल शौचालय को क्रियाशील रखने का भी निर्देश दिया है। पर्याप्त व्यवस्था के लिए मेला में टैकर की व्यवस्था व हैंडपम्प मरम्मत के लिए निर्देशित

किया है साथ ही मेला परिसर में लगने वाले दुकानदार से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लेने का निर्देश दिया है मुख्य लेख के दिन शराब की दुकान को बंद रखने के लिए संबंधित विभाग से पत्राचार करने का निर्देश दिया है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए प्रभारी निरीक्षक हलिया वीरेंद्र सिंह व थानाध्यक्ष इन्द्रगंज अरविन्द सरोज को निर्देश दिया है। स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सक विवेक खरे को निर्देश दिया है मेला क्षेत्र में वाहनों के पार्किंग के लिए शुल्क के संबंध में मोटर साइकिल से दस रुपये व चार चक्का वाहन से बीस रुपये शुल्क लेने का निर्देश दिया है।उपजिलाधिकारी लालगंज आशााराम वर्मा ने बताया की गड़बड़ा धाम में लगने वाले मेला

की तैयारियों को लेकर संबंधित के साथ बैठकर कर तैयारियों को 30 नवंबर तक पूर्ण कराने के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया है।सीओ लालगंज अशोक कुमार ने बताया है की मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था में पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था किया गया है डिप्टी पॉइंट चिन्हित कर लिया गया है। गड़बड़ा तिराहे पर अस्थायी पुलिस चौकी कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। रात्रि में मेले में अलाव जलाने की व्यवस्था रहेगी। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक हलिया वीरेंद्र सिंह, सहायक विकास अधिकारी पंचायत रुपेश श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान पुत्र रजनीश गुला, गलरा प्रधान पति अरुण मिश्र, मंदिर पुजारी मंगलधारी मिश्र,ड विजली विभाग से एसएसओ विरेंद्र सिंह परिहार, बलिस्टर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी

तेरह वर्षीय नाबालिग लड़की को भगा ले गया था आभिर



लखनऊ पुलिस ने किया गिरफ्तार
लखनऊ हिंदू समाज पार्टी के अध्यक्ष प्रयत्नो से लखनऊ में 13 वर्ष की नाबालिक हिंदू यादव परिवार की लड़की को विशेष संप्रदाय का लड़का आभिर भगाकर ले गया था हमेशा हिंदू हित के लिए सदैव अग्रसर रहने वाले गौरव गोस्वामी , हिंदू समाज पार्टी की लगातार पैरवी के बाद और समस्त हिंदू भाईओं के सहयोग से लड़की बरामद हुई और हिंदू समाज पार्टी ने लखनऊ पुलिस प्रशासन का बहुत-बहुत धन्यवाद किया है क्योंकि लखनऊ पुलिस के सहयोग से एक नाबालिक लड़की का भविष्य खराब होने से बच गया और आरोपी आभिर गिरफ्तार हुआ और जेल भेज दिया गया है। बता दें इस विषय को लखनऊ का चर्चित दैनिक अखबार दैनिक राष्ट्र की परम्परा ने अपने समाचार पत्र में प्रमुखता से प्रकाशित भी किया था और यह प्रकरण नाका पुलिस थाने हिंडोला का था जो की काफी समय से सुर्खियों में था।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में संविधान दिवस का हुआ आयोजन

महाराजगंज प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को पूरे भारतवर्ष में संविधान दिवस



मनाया जाता है, जिसे कानून दिवस भी कहा जाता है। उक्त बातों पर पीन दयाल इण्टर कालेज महाराजगंज में संविधान दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कही।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को संविधान की अखंडता को बनाये रखने की शपथ भी दिलायी। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को स्वीकृत किया गया था, जो 26 जनवरी 1950 को प्रभाव में आया। डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान का जनक कहा जाता है इस सभा के स्थाई अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद थे। इसके पहले अस्थाई अध्यक्ष सच्चिदानंद राव और प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ भीमराव अंबेडकर को बनाया गया था। अन्य सदस्यों में सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, मौलाना अब्दुल कलाम आदि थे। भारतीय संविधान देश के नागरिकों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि इसे पूर्ण रूप से तैयार करने में 2 साल 11 माह 18 दिन का समय लगा था। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अर्थात् इकारी जितेंद्र वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हमारा संविधान लोकतंत्र की पहचान है, हमारा संविधान इस देश में किसी के साथ भेद-भाव न हो, कोई भूखा न रहे, कोई गरीब न रहे इस बात पर बार-बार बल देता है। हमारा संविधान इस देश में सबको समानता का अधिकार देता है वह किसी भी जाति से हो, किसी भी समाज से हो, देश में महिलाओं को बराबरी का हक मिले, उनके साथ कोई अन्याय न हो, देश में हिंसा को रोकने के लिए कानून का लक्ष्य रखा खींचने वाला इस देश का संविधान एकता व राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने वाला भारत देश का संविधान एक तरफ बहुत कठोर है एक तरफ बहुत लचीला भी है। हमारा संविधान धर्मनिरपेक्ष की उपाय देता है, जहां सभी धर्मों को मानने का अधिकार भी देता है। जहां कोई भी हिंसा नहीं है भारत का संविधान। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं, छात्र- छात्राओं में दिया भारतीय, नेहा कन्नौजिया, नव्या जायसवाल, उजाला, खुशी यादव, निरुपमा वर्मा, सर्वानंद, पवन गुप्ता, अभिषेक, आशुतोष वर्मा, सैम खान सहित तमाम छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नगर आयुक्तने दिलाया अधिकारी व कर्मचारियों को संविधान दिवस की शपथ

गोरखपुर संविधान दिवस के अवसर पर नगर निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में, नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल एवं अन्य अधिकारियों द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात नगर आयुक्त एवं अन्य अधिकारी कर्मचारियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। इस दौरान अपर नगर आयुक्त निरंकर सिंह, सहायक नगर आयुक्त सुरेंद्र सिंह, अविनाश प्रताप सिंह, महाप्रबंधक जलकल रघुवंद्र कुमार एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में बाल संसद आयोजित

सिद्धार्थ नगर पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, बांसी में मंगलवार को



बाल संसद का सफल आयोजन प्रधानाचार्य आशुतोष मिश्रा के संरक्षण एवं डॉ. सुपमा दुबे व अमरेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य कंचन उपस्थिति रही। प्रधानाचार्य ने बाल संसद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्र संसदीय कार्य प्रणाली को बेहतर समझ सकते हैं और उनमें आदर्श नागरिक के गुणों का विकास होता है। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में बाल संसद को नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों को समझ विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के अंत में उप प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार सिंह ने प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए सभी संबंधित छात्रों एवं शिक्षकों प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते आभार प्रकट किया। बाल संसद के निर्णायक मंडल में आरके सिंह,

रेल प्रबंधक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों संग संविधान की उद्देशिका का किया वाचन

वाराणसी सम्पूर्ण भारतीय रेल के मंडल पर मंगलवार 26 नवम्बर, 2024 क्रम में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के विनीत कुमार श्रीवास्तव ने अधिकारियों उद्देशिका का वाचन किया, जिसे सभी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए दोहराया। राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल मंडल कार्मिक अधिकारी समीर पॉल, रहमान, वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर इंजीनियर (आपरेशन) अनिल कुमार इंजीनियर(सामान्य) पंकज केशरवानी, श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल विद्युत मंडल कार्यालय पर कार्यरत अधिकारी संविधान की उद्देशिका—



ऋहम भारत के लोग, भारत को पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने को रू सामाजिक,आर्थिक और राजनैतिक न्याय,विचार, अभिव्यक्ति,विश्वास,धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और अवसर की समानता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में तारीख 26 नवम्बर,1949 ई० (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी,संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। इसी क्रम में वाराणसी मंडल महत्वपूर्ण स्टेशनों,यूनिटों एवं उप मंडल कार्यालयों पर भी संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का दोहराई गयी तथा साथ ही भारत के संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए विभिन्न आयोजन किये गये।

लोक अदालत को सफल बनाये जाने पर विचार विमर्श

बलिया उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीशअध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलिया अमित पाल सिंह के आदेशानुसार, नीलम ढाका, अपर जनपद न्यायाधीशअधिकारी (लोक अदालत) बलिया की अध्यक्षता में एडीओआर भवन दीवानी न्यायालय में जनपद न्यायालय के समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट की बैठक, राष्ट्रीय लोक अदालत 14 दिसंबर को व्यापक रूप से सफल बनाने के उद्देश्य से की गयी। जिसका संचालन हरीश कुमार अपर जनपद न्यायाधीशअधिसचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा की गयी। साथ ही 14 दिसंबर को आयोजित आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु विचार विमर्श किया गया। नीलम ढाका, अपर जनपद न्यायाधीश अड्डल अधिकारी (लोक अदालत) एवं हरीश कुमार, अपर जनपद न्यायाधीशअधिसचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त न्यायिक अधिकारीगण को निर्देशित किया गया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 14 दिसंबर को अपने न्यायालय में लम्बित मामलों का अधिक से अधिक संख्या में निस्तारण करें, तथा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु चिन्हांकित किये गये वादों की सूची यथासम्भव शीघ्र कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया को प्रेषित करें। बैठक में संजय कुमार गोंड अपर सिविल जज (सी०डि०), पराग यादव मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, गार्गी शर्मा सिविल जज (सी०डि०), कविता कुमारी अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, विराट मणि त्रिपाठी सिविल जज (सी०डि०)एफ.टी.सी. सुचि त्रिपाठी सिविल जज (जू०डि०) पूर्वी, विवस्वान प्रकाश अपर सिविल जज (जू०डि०) कोर्ट सं०-02, उर्फी आज़मी सिविल जज (जू०डि०) एफ.टी.सी. एवं अनिल कुमार सिंह विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।



मृतका के परिजनों ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क किया जाम, छूटे पुलिस के पसीने -घोरावल कोतवाली क्षेत्र के मझिगावां मिश्र गांव का मामला



सोनमद्र (आरएनएस)। वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग लोढ़ी स्थित मेडिकल कॉलेज एंड जिला अस्पताल के समीप सोमवार को मृतक महिला के परिजनों द्वारा आधे घंटे से ऊपर सड़क जाम कर आरोपियों की गिरफ्तारी व थाना प्रभारी को फैसे लगते लेकर मामले में आरोपियों को बचाने का आरोप लगाते हुए विशेष प्रदर्शन व जाम करने का मामला सामने आया। बता दें कि घोरावल कोतवाली क्षेत्र के मझिगावां मिश्र गांव में बीते दिनों सदिश हाल में झूलसी महिला की रविवार को वाराणसी में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना से आक्रोशित मृतका के माइका पक्ष के लोगों ने ससुरालियों सहित पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए सोमवार को जिला अस्पताल के सामने हाइवे पर चक्काजाम कर दिया। इससे हाइवे पर करीब 45 मिनट यातायात बाधित रहा। सीओ डॉ चारु द्विवेदी समेत अन्य अधिकारियों ने नाराज लोगों को समझा बुझाकर कर उन्हें शांत किया और आवागमन बहाल कराया। राबर्ट्सगंज के पूरब मोहाल निवासी खुशहाल देव पांडेय की बेटी आकंक्षा की शादी घोरावल क्षेत्र के मझिगावां मिश्र गांव में प्रदीप के साथ करीब छः साल पहले हुई थी। उसके दो मासूम बच्चे हैं। पिछले कुछ महीने से परिवार में जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। इस बीच कुछ दिन पूर्व सदिश हाल में महिला आग की चपेट में आकर झुलस गई। बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने हालत गंभीर बताते हुए वाराणसी बीएचयू अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वाराणसी में उपचार के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। मृतका के माइका पक्ष के लोगों ने ससुरालियों पर दहेज उच्येड़न का आरोप लगाया है। परिजनों का मानना है कि दहेज के लिए ससुराल पक्ष के लोगों ने आग लगाकर बेटी को मार डाला। घोरावल पुलिस पर भी फैसे लेकर आरोपियों को बचाने का आरोप है। उधर सीटी सिओ डॉ चारु द्विवेदी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर पति प्रदीप, सास हीरावती, ससुर अंबिका प्रसाद, देवर विमलेश और देवरानी प्रीति के विरुद्ध फेटाल डालकर आग लगाने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। इस बीच रविवार को वाराणसी स्थित बीएचयू में इलाज के दौरान आकंक्षा की मौत हो गई। जिसके बाद परिवार के लोग शव लेकर लोढ़ी स्थित मोर्ची हाउस पहुंचे और चक्का जाम कर दिया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 443 जोड़े हुए एक-दूजे के -जनपद के चारों तहसीलों में सामूहिक विवाह का भव्य तरीके से हुआ आयोजन

सोनमद्र (आरएनएस)। मुख्यमंत्री पी०जी० कालेज दुदही में ब्लाक प्रमुख दुदही, रामनरेश पारखान, श्रवण कुमार गौड़, विधायक दुदही के प्रतिनिधि अरुण नारायण यादव उपस्थित रहे और वर-कनू को अपना आशीर्वाद दिये। दुदही ब्लाक में 183, राबर्ट्सगंज ब्लाक के डायट परिसर में 85, घोरावल ब्लाक के कम्पोजिट विद्यालय देवली मय केवली में 89 व चोपन ब्लाक के रेलवे फूटबाल मैदान चोपन में 86 जोड़ों की शादी सम्पन्न करायी गयी, जनपद के चारों तहसीलों में प्रदेश की लोकप्रिय सरकार के मंशा के अनुरूप मुख्यमंत्री सामूहिक सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत सोनमद्र जिले में 443 जोड़ों की शादी सम्पन्न करायी गयी, जिसमें से कुल 5 जोड़ों को मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुरूप निकाह कराया गया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री संजीव कुमार गौड़, विधायक विभाग संजीव कुमार गौड़, ब्लाक प्रमुख चोपन लीला गौड़, पूर्व राज्यसभा सांसद रामसकल ने वर-वधू को अपना आशीर्वाद दिये। इसी प्रकार से घोरावल ब्लाक के कम्पोजिट विद्यालय देवली मय केवली में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में ब्लाक प्रमुख दीपक पटेल, विधायक घोरावल के प्रतिनिधि सुरेंद्र मोर्या उपस्थित रहकर वर-वधू को आशीर्वाद दिये, इसी प्रकार से भाऊराव

लोगों का सेवा सत्कार किया गया, इस मौके पर वर-वधू के साथ उपस्थित जनमानस को केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गयी। शादी में कन्या को 35 हजार रुपये बैंक खाते के माध्यम से आन्तरिक की जायेगी, 10 हजार रुपये की सामग्री (बिछिया, कपड़ा, पायल चांदी के तथा 07 बर्तन), 6 हजार रुपये कार्यक्रम आयोजन हेतु भोजन, फर्नीचर, पेयजल, पण्डाल, पूजन सामग्री एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गयी थी। " मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना " में नव वर-वधू को अन्य उपहार भी दिये गये जैसे-एक जोड़ी बिछिया चांदी की, एक जोड़ी पायल चांदी की, एक गद्दा, एक कम्बल, दो बेडशीट, दो तकिया, एक बक्खा, एक टेबल फैन, एक तीन लीटर का कुकर, एक डीनर सेट स्टील का, एक श्रारदान, एक लेडीज घड़ी, एक दीवाल घड़ी, एक कलश, एक साड़ी कढ़ाईवार, फैं व शर्ट का कपड़ा, चुनरी, मांवर ह्यू गुलाबी भेटा आदि सामान भेंट किया गया। डायट परिसर शादी समारोह के रूप में तब्दीली थी, घरती व बाराती के पक्ष के जो नागरिक मौके पर पहुंचे सभी का सत्कार किया गया और लजीज पकवान भी खिलाये गये। शंख ध्वनि से शादी समारोह श्री गणेश किया गया और फंजां फूजन धार्मिक रीति-रिवाज से किया गया। शादी समारोह को सम्बोधित करते हुए मंत्री व विधायक सदर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाये, इसके लिए योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक किया जाये, जिससे कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी की योजनाओं से वंचित न रह सके। शादी समारोह के मौके पर अपर जिलाधिकारी(नमानि गो) रोहित यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुभाष शेखर शर्मा,परियोजना निदेशक आरएएस मोर्या, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला

मौरजापुर(एजेसी)। अयोध्या-काशी की तर्ज पर विकसित किए जा रहे किष्क कारिडोर में एक न एक लापरवाही सामने आ जा रही है जिससे यहां आने वाले भक्तों के लिए यह लापरवाहियों कभी बड़ी घटना का भी रूप ले सकती है ऐसी आशंका जताई जा रही है सोमवार को विख्यात देवी धाम किष्काल मंदिर में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है, जिसे मौके पर मौजूद पुरोहितों एवं पुलिस जवानों ने तत्परता बरतते हुए काबू कर लिया है वरना कुछ भी अग्रिय घटना घट सकती थी, दरअसल, सोमवार को दिन में किष्कालिनी मंदिर पर अचानक आग लग गई, करने की पूरजोर कोशिशों में लगे हुए हैं वहीं उद्घाटन से पहले ही एक न एक खामियां और लापरवाहियों के सामने आने से यहां की व्यवस्था पर सवाल

विध्यावल मंदिर में लगी आग, पुरोहितों और पुलिस ने बुझाई आग
मौरजापुर(एजेसी)। अयोध्या-काशी की तर्ज पर विकसित किए जा रहे किष्क कारिडोर में एक न एक लापरवाही सामने आ जा रही है जिससे यहां आने वाले भक्तों के लिए यह लापरवाहियों कभी बड़ी घटना का भी रूप ले सकती है ऐसी आशंका जताई जा रही है सोमवार को विख्यात देवी धाम किष्काल मंदिर में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है, जिसे मौके पर मौजूद पुरोहितों एवं पुलिस जवानों ने तत्परता बरतते हुए काबू कर लिया है वरना कुछ भी अग्रिय घटना घट सकती थी, दरअसल, सोमवार को दिन में किष्कालिनी मंदिर पर अचानक आग लग गई, करने की पूरजोर कोशिशों में लगे हुए हैं वहीं उद्घाटन से पहले ही एक न एक खामियां और लापरवाहियों के सामने आने से यहां की व्यवस्था पर सवाल

संविधान दिवस पर हिन्दू महासभा ने संविधान से इंडिया शब्द हटाने की आवाज बुलंद की - बी एन तिवारी



नई दिल्ली अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत के संविधान की विशिष्टता संविधान में वर्णित बिना किसी भेदभाव के समान अधिकारों और समान कर्तव्यों के साथ आगे बढ़ने और अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने का समान अवसर प्रदान करने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान में समस्त देशवासियों की गहरी आस्था है। उन्होंने ऐसे लोगों को परामर्श देते हुए कहा कि जिन्हें भारत के संविधान में आस्था नहीं है और जो सरिया के कानून से रहना चाहते हैं, उन्हें भारत छोड़ कर अपनी पसंद के देश में जाकर रहना चाहिए। हिन्दू महासभा ने संविधान दिवस पर केंद्र सरकार से संसद के आगामी सत्र में एक विधेयक पारित कर संविधान से इंडिया शब्द हटाने और इंडिया के स्थान पर भारत अंकित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि विदेशी दासता के प्रभाव में संविधान निर्माताओं से संविधान में दासता के प्रतीक अंग्रेजों का दिया नाम इंडिया शब्द को अंकित करने की बड़ी चूक हुई है, जिसमें सुधार करने का सही समय आ गया है। हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता बी एन तिवारी ने जारी बयान में कहा कि हिन्दू महासभा संविधान से इंडिया शब्द हटाने के लिए समय समय पर आवाज उठाती रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत सरकार देर सबेर उनकी इस मांग को स्वीकार करेगी और भारत का संविधान इंडिया से हमेशा के लिए मुक्त हो जाएगा। सम्पूर्ण विश्व में हमारा देश अपने सनातनी नाम भारत से जाना और पहचाना जाएगा। बी एन तिवारी ने चुनाव के समय संविधान बदलने का हौआ खड़ा करने वाली कांग्रेस पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में सत्ता के मद में चूर होकर मूल संविधान से छेड़छाड़ कर संविधान के मूल चरित्र को बदल दिया। पंथ निरपेक्ष को धर्म निरपेक्ष बनाकर देश में धार्मिक उन्माद का वातावरण तैयार किया, जिसकी आग में देश आज भी जल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से संविधान में पुनः धर्म निरपेक्ष को पंथ निरपेक्ष करने की मांग की।

ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि को पिटू शोक



महाराजगंज। घुघली ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ओम प्रकाश जायसवाल के पिता की आकस्मिक निधन पर ब्लाक परिसर में शोक सभा आयोजित की गई। दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस दौरान शोक सभा में बलकेश्वर सिंह महामंत्री ग्राम्य विकास मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन महाराजगंज, चंद्रशेखर सिंह जिलाध्यक्ष ग्राम पंचायत अधिकारी संघ, तेज प्रताप मिश्रा मीडिया प्रभारी मनरेगा लेखा संवर्ग, राम प्रताप यादव तकनीकी सहायक संघ, राजू मद्धेशिया कंप्यूटर ऑपरेटर, इंग्लिश टीचर आर.ए. लाल साहनी ग्राम रोजगार सेवक, ए.पि.रेड यादव,संदीप सिंह, ओमपाल भारती, विनोद कुमार मोहनलाल गुप्ता, सुशील, विजय जायसवाल, मनोरमा देवी, राधिका देवी, कौशल्या देवी, पंकज राय, सोनू पटेल, रईस सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन



बलिया जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने संविधान दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना-पहम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए हम दृ

दसंकल्प होकर संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। का वाचन किया। लोक भवन सभागार, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया तथा उपस्थित लोगों ने माननीय मुख्यमंत्री जी के संबोधन को सुना। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी डी०पी० सिंह, मुख्य राज्यस्य अधिकारी त्रिभुवन तथा नगर मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी सहित अन्य अधिकारीधकर्मचारीगण उपस्थित रहे। जनपद में संविधान दिवस पर विकास भवन सहित अन्य कार्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन कर संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,सम्पादक कपिल देव शुक्ल द्वारा विभव प्रिंटेर्स गाटा सं०25 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला-सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित सम्पादक- कपिल देव शुक्ल,

मो० 9415739288,9721748962

E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुलतानपुर न्यायालय होगा।